Sukhdev - 17 August

Q - "Punjab's fate after Ranjit Singh was foredoomed as the impulse of neo-Victorian imperialism was bound to overwhelm it." Elucidate. [10 M]

उत्तर - रणजीत सिंह की निजी उपलब्धियों के होते हुए भी उनकी मृत्यु के बाद पंजाब में स्थायी राज्य ना बन सका तथा 1850 तक उसका विलय दो युद्धों के बाद ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य में कर लिया गया।

यद्यपि पंजाब विलय को लेकर इतिहासकारों में मतभेद है तथा अनेक इतिहासकारों ने इसे विलय ना मानकर विश्वासघात माना है क्योंकि -

1- भैरोवाल की सन्धि (प्रथम सिख युद्ध) के पश्चात पंजाब का वास्तविक प्रशासन ब्रिटिश रेजीडेण्ट के हाथ में था,

2- विद्रोह सिख सेना ने किया था ना कि अल्पसंख्यक महाराजा ने

3- कंपनी अल्पवयस्क महाराजा के संरक्षक के रूप में कार्यरत थी तथा अपने रक्षित व्यक्ति के प्रदेश को सम्मिलित करने का कोई औचित्य नहीं था।

हालांकि, इसके बावजूद पंजाब का विलय वस्तुतः 19 वीं शताब्दी में बढ़ती ब्रिटिश साम्राज्यवादिता का ही द्योतक है।

इसे निम्न तथ्यों से समझ सकते हैं -

1- ब्रिटिश साम्राज्यवाद की नींव वस्तुतः बंगाल विजय के बाद ही पड़ गयी थी। इसके तहत कंपनी एक-एक करके भारतीय शक्तियों को अलग-अलग जीता तथा विभिन्न रणनीतियों से इसके लिए भारतीय धन व सेना का ही प्रयोग किया। इसके तहत जहाँ पहले विदेशी शक्तियों को परास्त किया (जैसे- फ्रांसीसी), वहीं बाद में मैसूर, मराठा, तथा सिख आदि को परास्त किया। रणनीति के रूप में 'सहायक सन्धि' का प्रयोग भी इसका जीवन्त उदाहरण है।

2- लॉर्ड हेस्टिंग्स के काल तक भारतीय परिस्थितियाँ पूर्णतः आक्रामक साम्राज्यवादी विस्तार के लिए अनुकूल हो गयीं। इसी कारण यहाँ से एक ओर तो ~~ब~~ देशी रियासतों के प्रति 'अधीनस्थता की नीति' अपनायी गयी तो दूसरी ओर अन्य माध्यमों जैसे युद्धों से साम्राज्यवादी विस्तार किया गया।

Scanned by CamScanner

3 - डलहौजी के काल तक 'हड़प नीति' तथा किसी भी माध्यम से ब्रिटिश साम्राज्यवाद को आगे बढ़ाने के लिए कार्य किये गये।

4 - पंजाब के विलय में पश्चिमोत्तर में प्राकृतिक सीमा स्थापित करने की आकांक्षा, अफगान असफलता के साथ ईरान-रूसी आक्रमण के भय ने भी भूमिका निभायी।

यद्यपि विभिन्न गवर्नर जनरलों ने इसके लिए विभिन्न रणनीति अपनायी किन्तु ब्रिटिश साम्राज्यवादी विस्तार की आंकाक्षा सबका मूल तत्व था। हालांकि इसका एक परिणाम आगे चलकर 1857 की क्रान्ति व अन्ततः कंपनी शासन की समाप्ति के रूप में भी आता है।

Scanned by CamScanner

Q- "The British Policy towards Indian states in 1818-1858 was one of isolation and non-interference tempered by annexation." Comment. [10 Marks]

उत्तर- 1813 - 1857 के काल तक भारतीय रियासतों के प्रति ब्रिटिश नीति को 'अधीनस्थ पार्थक्य की नीति' कहा जाता है। इस काल में निम्न विशेषताएं देखने को मिलती हैं -

1- सभी बड़ी भारतीय देसी शक्तियों जैसे - मैसूर, मराठा आदि के परास्त होने के पश्चात ब्रिटिशों में साम्राज्य विस्तार की भावना व 'सर्वश्रेष्ठता के सिद्धान्त' का विकास

2- आगे चलकर रियासतों से की जाने वाली सन्धियों में पारस्परिकता व मैत्री संबंधों के स्थान पर कंपनी के साथ अधीनस्थ सहयोग (subordinate cooperation) व कंपनी की सर्वश्रेष्ठता को स्वीकारने की बात

3- रियासतों की समस्त बाह्य प्रभुसत्ता कंपनी के अधीन

4- यद्यपि सैद्धान्तिक तौर पर रियासतें पूर्णतः स्वतंत्र तथापि आगे चलकर

Scanned by CamScanner

ब्रिटिश रेजीडेन्टों ने आन्तरिक मामलों में प्रत्यक्ष हस्तक्षेप किया। 1840 तक तो उत्तराधिकार के मामलों तथा मंत्रियों की नियुक्ति तक के मामलों में हस्तक्षेप किया जाने लगा

5- 1833 के चार्टर एक्ट तथा विशेषत: 1840 के बाद सरकारी तौर पर गवर्नर जनरलों को साम्राज्य विस्तार व रियासतों के अधिग्रहण को कहा जाने लगा। इसके तहत बैंटिक द्वारा मैसूर, कुर्ग, जयन्तिया तो ऑकलैण्ड द्वारा करनाल, जालौन का अधिग्रहण किया गया। डलहौजी के काल तक तो अवध, नागपुर जैसी बड़ी रियासतें 'व्यपगत के सिद्धान्त' के आधार पर विलय कर ली गयीं।

हालांकि, कंपनी की यह नीति आलोचना के परे नहीं थी। जैसे-

1- रियासतों को पूर्णत: अधीनस्थ बनाने की नीति जनसंख्या हानि, कुशासन तथा अकर्मण्यता के रूप में सामने आयी

2- कंपनी की निर्विवाद सर्वश्रेष्ठता स्थापित होने पर भी रियासतों के

प्रति नीति पूर्णतः "अव्यवस्थित, अस्पष्ट और परस्पर विरोधी रही जिसके तहत गवर्नर जनरल की व्यक्तिगत राय महत्वपूर्ण होती थी। इसी का कारण है कि कभी किसी रियासत का विलय कर लिया जाता था तो कभी रियासतों के आन्तरिक मामलों में अहस्तक्षेप की बात की जाती थी (जैसे - कश्मीर 1846)

हालांकि रियासतों के प्रति यह नीति कंपनी के लिए हानिकारक रही जो 1857 के विद्रोह के रूप में दिखता है यही कारण है कि आगे चलकर आधिकारिक तौर पर 'विलय' व अधिग्रहण की नीति को त्याग दिया गया।

Scanned by CamScanner